Assignments for TEE December 2022 and for TEE June 2023

(बीए दर्शनशास्त्र प्रथम वर्ष)

BPY-001 भारतीय दर्शन-I

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**
4. **यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।**

1. जैन दर्शन में मोक्ष विचार पर निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

बौद्ध दर्शन बिना आत्मा को स्वीकारे किस तरह पुनर्जन्म और कर्म-सिद्धान्त को सिद्ध करता है?

2. प्रतीत्यसमुत्पाद पर टिप्पणी लिखिए। 20

अथवा

उपनिषद् क्या है? छान्दोग्य उपनिषद् के केन्द्रीय विचार की चर्चा कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   अ) बौद्ध नीति-दर्शन पर टिप्पणी लिखिए। 10
   आ) नागार्जुन के दर्शन में शून्यता क्या है? चर्चा कीजिए। 10
   इ) स्यादवाद क्या है? स्यादवाद की नैतिक महत्ता की चर्चा कीजिए। 10
   ई) चार्वाक् दर्शन अनुमान का खंडन किस तरह करता है? चार्वाक के अनुमान के खंडन का मूल्यांकन कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   अ) तज्जलानिति के अर्थ पर टिप्पणी दीजिए। 5
   आ) ईशावास्योपनिषद् की विषय-वस्तु पर लघु निबन्ध लिखिए। 5
   इ) ऋत् की अवधारणा पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। 5
   ई) वेद और उसके प्रभागों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5
   उ) वैभाषिक बौद्ध दर्शन की ज्ञान की अवधारणा पर संक्षिप्त टिप्पणी दीजिए। 5
   ऊ) वैदिक देवताओं के विकासक्रम के विविध संक्रमणों पर टिप्पणी दीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) समत्व मनोभाव 4

आ) जैन दर्शन में *पुदगल* 4

इ) सत् 4

ई) हिरण्यगर्भ 4

उ) परा विद्या 4

ऊ) आर्य सत्य 4

ए) सम्यक् ज्ञान 4

ऐ) अष्टांगिक मार्ग 4

BPY-002 तर्कशास्त्र : शास्त्रीय एवं प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**
4. **यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।**

1. परिभाषा क्या है? विभिन्न प्रकारों की परिभाषाओं की व्याख्या कीजिए। किसी को परिभाषित करने की सीमा की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

चर्चा कीजिए,

अ) आगमनात्मक एवं निगमनात्मक तर्क एक मध्य अन्तर कीजिए।

आ) निगमनात्मक तर्क के मध्य सत्य एवं वैधता सम्बन्ध। 10+10= 20

2. परिमाणन क्या है? परिमाणन के नियमों पर टिप्पणी लिखिए 20

अथवा

उभयतःपाश (डायलेमा) क्या है? उभयतःपाश (डायलेमा) का परिहार कैसे कर सकते हैं? 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

अ) वाक्य संयोजक पर टिप्पणी लिखिए। 10

आ) अनुमान (इन्फिरेन्स) के नियमों पर टिप्पणी लिखिए। 10

इ) यदि "कुछ अर्थशास्त्री संगीतकार नहीं हैं" सत्य है। तो, निम्नलिखित कथनों का सत्यता मूल्य निर्धारित कीजिए एवं पूर्वोक्त कथन से इन कथनों का सम्बन्ध बताइये। 5*2= 10

क) सभी अर्थशास्त्री संगीतकार हैं।

ख) कुछ अर्थशास्त्री संगीतकार हैं।

ग) कुछ अर्थशास्त्री गैर-संगीतकार हैं।

घ) कोई भी अर्थशास्त्री संगीतकार नहीं है।

ङ) कुछ संगीतकार अर्थशास्त्री हैं।

ई) अरस्तू के तर्कशात्र की क्या सीमाएं हैं? क्या आप मानते हैं कि प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र ने अरस्तू के तर्कशास्त्र की समस्याओं को हल किया है? 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) तार्किक श्रेणी/विभाजन (लॉजिकल डिविजन) के नियमों का कथन कीजिए। 5

आ) व्याघात एवं विरुद्ध सम्बन्ध पर टिप्पणी लिखिए। 5

इ) संरचनात्मक (जटिल) एवं सरल उभयतःपाश में सोदाहरण अन्तर कीजिए? 5

ई) प्रतिज्ञप्ति एवं वाक्य में भेद कीजिए। 5

उ) अस्तित्ववाची अर्थ (एग्जेन्सिटेन्शियल इम्पोर्ट) पर टिप्पणी लिखिए। 5

ऊ) डेगर फलन पर टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए।

अ) अवस्था 4

आ) स्ट्रोक फलन 4

इ) *मॉडस टॉलेन्स* 4

ई) निरुपाधिक न्यायवाक्य (केटिगोरिकल सिलोजिज्म) 4

उ) प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र 4

ऊ) आपादन (इम्पिल्केशन) 4

ए) द्वि-उपाधिक 4

ऐ) आकृति 4

BPY-003 प्राचीन एवं मध्यकालीन पाश्चात्य दर्शन

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**
4. **यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।**

1. चर्चा कीजिए,
   अ) प्लेटो के दर्शन में प्रत्ययों का सिद्धान्त
   आ) अरस्तू के दर्शन में क्रिया (एक्ट) और सम्भाव्यता (पोटेन्सी) 10=10=20

   अथवा

   संत ऑगस्टीन द्वारा ईश्वर की सिद्धि हेतु प्रस्तुत युक्तियों की चर्चा कीजिए। 20

2. ज़ीनो और स्टोइक के ईश्वर के विचार की तुलना कीजिए। 20

   अथवा

   अ) अवेरोस के दर्शन में तर्कबुद्धि के साथ श्रद्धा का समन्वय
   आ) हेराक्लिटस का दार्शनिक योगदान 10+10= 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए।2*10= 20
   अ) "मनुष्य (व्यक्ति) सभी चीजों का पैमाना है।" आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 10
   आ) "गति सम्भव नहीं" ज़ीनो ने इस सिद्धान्त को सिद्ध करने के लिए कैसे तर्क किया? 10
   इ) सुकरात के दर्शन में ज्ञान (नॉलेज) एवं राय/मत (ऑपिनियन) में भेद कीजिए। 10
   ई) "प्रज्ञा क्षितिज (हॉरीजोन) की तरह" के विचार की चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए। 4*5= 20
   अ) यादृच्छिक अवसर एवं मानवीय विकल्प-चयन में बोइथस द्वारा किए गये भेद पर निबन्ध लिखिए। 5
   आ) स्कॉटस के दर्शन में सत् की एकात्मता पर टिप्पणी लिखिए। 5

इ) गुफा के रूपक के दार्शनिक निहितार्थ क्या हैं? 5

ई) "ईश्वर अचालित चालक है।" संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 5

उ) संत एन्सेल्म के दर्शन में ईश्वर की अवधारना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

ऊ) मनस दर्शन (फिलोसोफी ऑफ माइन्ड) की विषय-वस्तु क्या है? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी कीजिए।5*4=20

अ) औकहेम का रेज़र (औकहेम का न्याय) 4

आ) निमित्त कारण 4

इ) मौलिक तर्कबुद्धि (सेमीनल रीजन) का सिद्धान्त 4

ई) लोगोस 4

उ) अविनाशिता (इन्डिस्ट्रक्टिबिलिटी) का नियम 4

ऊ) प्रयोजनवादी पद्धति 4

ए) "विश्वास सहमति के साथ विचार करना है" 4

ऐ) बिकमिंग (होना) 4

BPY-004 विश्व के धर्म

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**
4. **यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।**

1. सिख मत की तत्त्वमीमांसा पर टिप्पनी लिखिए। 20

अथवा

मेक्स वेबर और इमाइल दुर्खीम के धर्म सम्बन्धी सामाजिक दृष्टिकोणों की तुलना कीजिए। 20

2. अ) जरथुष्ट्र दर्शन के दो प्राथमिक सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

आ) ईसाई मत का नैतिक दर्शन 10+10= 20

अथवा

धार्मिक विश्वास के आधारों पर निबन्ध लिखिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   - अ) मेक्स वेबर के 'समाज में प्राधिकारी (ऑथोरिटी)' के विचार का मूल्यांकन कीजिए। 10
   - आ) धार्मिक (धर्मगत्) अनुभव का अपचयन सम्भव नहीं, जॉन हिक के इस विचार पर टिप्पणी लिखिए। 10
   - इ) इस्लाम के पांच स्तम्भों की चर्चा कीजिए। 10
   - ई) बौद्ध मत के अष्टांगिक मार्ग के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) शिंटो मत की नैतिक शिक्षाओं पर टिप्पणी लिखिए। 5
   - आ) श्रुति एवं स्मृति के मध्य भेद कीजिए। 5
   - इ) हिन्दू मत में मोक्ष के विचार की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5
   - ई) कन्फ्युशियस के शिक्षा-सम्बन्धी विचार का मूल्यांकन कीजिए। 5
   - उ) ताओ दर्शन में ईश्वर की अवधारणा पर टिप्पणी लिखिए। 5
   - ऊ) धार्मिक बहुलता के प्रति पंथनिरपेक्ष दृष्टिकोण पर टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20
   - अ) तेह 4

आ) बहुलता की नैतिक प्रेरणा 4
इ) धार्मिक विश्वास 4
ई) *टोटेमवाद* 4
उ) यि 4
ऊ) ज्ञानयोग 4
ए) बौद्ध मत में त्रिरत्न 4
ऐ) ज़कात 4